



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 402]
No. 402

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 10, 1982/भाद्र 19, 1904
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 10, 1982/BHADRA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचना
स्वर्ण (नियंत्रण)

अध्याय 2

कलक्टर (अपील) की अपीलें

का० धा० (ध) — केन्द्रीय सरकार स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 114 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

अध्याय 1
प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम स्वर्ण (नियंत्रण) अपील नियम 1982 है।
- (2) ये उस तारीख को प्रवृत्त होंगे जिसे केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।

2. परिभाषाएँ

- (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा घोषित न हो—

- (क) "अधिनियम" से स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम 1968 (1968 का 45) अभिप्रेत है।
- (ख) "प्रारूप" से इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप अभिप्रेत है।
- (ग) "धारा" से उक्त अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

3. कलक्टर (अपील) की अपील का प्रारूप :—

- (1) कलक्टर (अपील) की धारा 80 की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील प्रारूप सं० स्व० अ० 1 में की जाएगी।
- (2) प्रारूप सं० स्व० अ० 1 में अर्न्तविष्ट अपील के आधारे और संस्थापन के प्रारूप पर निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे —
 - (क) किसी व्यष्टि की दशा में, स्वयं व्यष्टि द्वारा, जहाँ व्यष्टि भारत में अनुपस्थित है वहाँ संबंधित व्यष्टि द्वारा या उस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप में प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा, और जहाँ व्यष्टि अवयस्क है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ उसके संरक्षक द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिए मक्षम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा
 - (ख) किसी हिन्दू अविधवा कुटुम्ब की दशा में, कर्ता द्वारा और, जहाँ कर्ता भारत में अनुपस्थित है या अपने कार्यों की देखभाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य व्यक्ति सदस्य द्वारा,
 - (ग) किसी कम्पनी या स्थानीय प्राधिकारी की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा,
 - (घ) किसी फर्म की दशा में उसके किसी भागीदार द्वारा जो अवयस्क नहीं है,

(क) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा, और

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिए सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

(3) प्ररूप सं० स्व० अ० 1 में अपील का प्ररूप दो प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ उस विनिश्चय या आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

4. कलक्टर (अपील) को आवेदन का प्ररूप:

(1) धारा 82 की उप-धारा (4) के अधीन कलक्टर (अपील) को कोई आवेदन प्ररूप स्व० अ० 2 में किया जाएगा।

(2) आवेदन का प्ररूप, प्ररूप सं०, स्व० अ० 2 में दो प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की दो प्रतियाँ (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा ऐसे प्राधिकारी को कलक्टर (अपील) को आवेदन करने के लिए निर्देश करते हुए पारित आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी।

5. कलक्टर (अपील) के समक्ष अतिरिक्त साक्ष्य पेश करना

(1) अपीलार्थी, कलक्टर (अपील) के समक्ष उस साक्ष्य से भिन्न जो उसने न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के समक्ष कार्यवाही के दौरान पेश किया हो कोई साक्ष्य, चाहे वह मौखिक हो या दस्तावेजी, निम्नलिखित परिस्थितियों के सिवाए, पेश करने का हकदार नहीं होगा, अर्थात्:—

(क) जहाँ न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने ऐसे साक्ष्य को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया जाना चाहिए, या

(ख) जहाँ अपीलार्थी को, उस साक्ष्य को जिसे पेश करने के लिए उस प्राधिकारी ने उसमें अपेक्षा की थी, पेश करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है,

(ग) जहाँ अपीलार्थी को प्राधिकारी के समक्ष किसी साक्ष्य को जो अपील के किसी आधार से सुसंगत है पेश करने से पर्याप्त कारण से रोका गया था, या

(घ) जहाँ न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने, अपीलार्थी को, अपील के किसी आधार से सुसंगत साक्ष्य को पेश करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना, आदेश कर दिया है।

(2) उप-नियम (1) के अधीन कोई भी साक्ष्य तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि कलक्टर (अपील) स्वीकार किए जाने के कारणों को अभिलिखित न करे।

(3) कलक्टर (अपील), उप-नियम (1) के अधीन पेश किए गए किसी साक्ष्य को तब तक नहीं लेगा जब तक कि न्यायनिर्णायक प्राधिकारी या उक्त प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी को—

(क) साक्ष्य या दस्तावेजों की परीक्षा करने या अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य की प्रतिपरीक्षा करने, या

(ख) किसी साक्ष्य को प्रस्तुत करने अथवा उप-नियम (1) के अधीन अपीलार्थी द्वारा पेश किए गए साक्ष्य का खंडन करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने का कोई मुक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो।

(4) इस नियम में अन्तर्निहित किसी बात से कलक्टर (अपील) को किसी दस्तावेज को पेश करने या किसी साक्ष्य की परीक्षा करने के लिए निर्देश देने की शक्तियों पर जिससे कि वह अपील का निपटारा कर सके, बाध नहीं पड़ेगा।

अध्याय 3

अपील अधिकरण को अपील

अपील अधिकरण की अपीलों प्रावि का प्ररूप

(1) धारा 81 की उप-धारा (1), (2) या (3) के अधीन अपील अधिकरण को कोई अपील प्ररूप सं० स्व० अ० 3 में की जाएगी।

(2) धारा 81 की उप-धारा (5) के अधीन अपील अधिकरण को प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप सं० स्व० अ० 4 में किया जाएगा।

(3) जहाँ धारा 81 की उप-धारा (1) के अधीन कोई अपील, या धारा 81 की उप-धारा (5) के अधीन प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की जाती है/दिया जाता है तो क्रमशः प्ररूप सं० स्व० अ० 3 और स्व० अ० 4 में यथाअन्तर्विष्ट अपील के आधार, प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्ररूप पर नियम 3 के उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे।

(4) अपील का प्ररूप, प्ररूप सं० स्व० अ० 3 और प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन का प्ररूप, प्ररूप सं० स्व० अ० 4 में तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, समान संख्या में प्रतियाँ लगाई जाएंगी (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी)।

7. अपील अधिकरण को आवेदन का प्ररूप

(1) धारा 82 की उप-धारा (4) के अधीन अपील अधिकरण को कोई आवेदन आवेदन प्ररूप संख्या स्व० अ० 5 में किया जाएगा।

(2) आवेदन का प्ररूप, प्ररूप संख्या स्व० अ० 5 में तीन प्रतियों में भरा जाएगा और उसके साथ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा पारित आवेदन या विनिश्चय की प्रतियाँ बराबर की संख्या में जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी और ऐसे कलक्टर को अपील अधिकरण को आवेदन करने के लिए निवेदित करने हुए प्रशासक द्वारा पारित किए गए आवेदन की प्रति लगाई जाएगी।

8. उक्त न्यायालय को निर्देश के लिए अपील अधिकरण को आवेदन का प्ररूप

(1) धारा 82ख की उप-धारा (1) के अधीन कोई आवेदन अपील अधिकरण से यह अपेक्षा करते हुए कि वह विधि के किसी प्रश्न का निर्देश उक्त न्यायालय को कर प्ररूप संख्या स्व० अ० 6 में किया जाएगा और ऐसा आवेदन तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

(2) धारा 82ख की उप-धारा (3) के अधीन अपील अधिकरण को प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप संख्या स्व० अ० 7 में किया जाएगा और ऐसा ज्ञापन तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

(3) जहाँ धारा 82ख की उप-धारा (1) के अधीन कोई आवेदन या उक्त धारा की उप-धारा (2) के अधीन प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तो क्रमशः प्ररूप संख्या स्व० अ० 6, स्व० अ० 7 में यथाअन्तर्विष्ट आवेदन, प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन और सत्यापन के प्ररूप पर नियम 3 के उपनियम 2 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

अध्याय 4

प्राधिकृत प्रतिनिधि

9. प्राधिकृत प्रतिनिधियों के लिए अर्हताएं

धारा 101क के प्रयोजनों के लिए किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि में ऐसा व्यक्ति सम्मिलित होगा, जिनने निम्नलिखित अर्हताओं में से, जोकि उक्त

धारा 101क की उपधारा (2) के खंड (ग) के अधीन विनिर्दिष्ट अर्हताएं हैं, कोई अर्हता अर्जित कर ली है, अर्थात् :—

- (क) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ के भीतर कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट, या
- (ख) लागत और संकर्म अकाउंटेंट अधिनियम, 1959 (1959 का 23) के अर्थ के भीतर कोई लागत लेखापाल, या
- (ग) कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) के अर्थ के भीतर कोई कम्पनी सचिव, और जिसने उक्त अधिनियम की धारा 6 के अधीन व्यवसाय का प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है, या
- (घ) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर या धानस की उपाधि धारण करने वाला या व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि या डिप्लोमा धारण करने वाला कोई व्यक्ति, या
- (ङ) कोई ऐसा व्यक्ति, जो सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या स्थापक विभागों में पहले नियोजित था और जो उक्त विभागों में से एक या एक से अधिक में किसी हैसियत में कुछ मिलाकर कम से कम दस वर्ष सेवा करने के पश्चात् ऐसे नियोजन से सेवानिवृत्त हो गया है या जिसने पद त्याग दिया है।

स्पष्टीकरण :—इस नियम में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नीचे विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालयों में से कोई विश्वविद्यालय अभि-प्रेत है, अर्थात् :—

- (i) भारतीय विश्वविद्यालय तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन निर्गमित कोई भारतीय विश्वविद्यालय,
- (ii) रंगून विश्वविद्यालय,
- (iii) ब्रिटिश और बेल्जियम विश्वविद्यालय: बरमिषम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डरहम, लीड्स, लिबरपूल, लण्डन, मेनेचेस्टर, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय
- (iv) स्कटलैण्ड के विश्वविद्यालय: अबरडोन एडिनबर्ग, ग्लासगो और सेन्ट एन्ड्रयूज के विश्वविद्यालय,
- (v) आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय: डबलिन (ट्रिनिटी महा-विद्यालय) के विश्वविद्यालय मवीन का विश्वविद्यालय वेलफास्ट और डबलिन का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,
- (vi) पाकिस्तान के विश्वविद्यालय: तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा निर्गमित कोई पाकिस्तानी विश्वविद्यालय,
- (vii) बंगलादेश के विश्वविद्यालय: तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा निर्गमित कोई बंगलादेश के विश्वविद्यालय,

10. धारा 101क(5)(ख) के अधीन विनिर्दिष्ट प्राधिकारी : सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर, जिसकी अधिकारिता ऐसी कार्य-वाहियों में है जिनमें ऐसा व्यक्ति, जो कोई विधि व्यवसायी नहीं है, अधि-नियम के अधीन उक्त कार्यवाहियों के संबंध में व्यवहार का बोधा पाया गया है, धारा 101क की उपधारा (5) के खंड (ख) के प्रयोजनों के लिए प्राधिकारी होगा।

अध्याय 5

प्रकीर्ण

11. अपील अधिकरण की भाषा. (1) अपील अधिकरण की भाषा अंग्रेजी होगी।

(2) उप-नियम (1) में अतिरिक्त बात को होते हुए भी अपील अधिकरण के समक्ष कार्यवाही के पक्षकार, यदि वे ऐसा चाहें तो हिन्दी में लिखे गए वस्तावेज फाइल कर सकेंगे।

12. अपीलों आदि के फाइल करने के लिए प्रक्रिया :

(1) अपील प्ररूप संख्या स्व० नि० अ० 3 में या प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप संख्या स्व० नि० अ० 4 में या स्व० नि० अ० 7 में या आवेदन प्ररूप संख्या स्व० नि० अ० 5 में या स्व० नि० अ० 6 में व्यक्तिगत रूप से रजिस्ट्रार या रजिस्ट्रार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के पास उपस्थापित किया जाएगा या रजिस्ट्रार अथवा ऐसे अधिकारी प्राप्त संबोधित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन कोई अपील या प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन या डाक द्वारा भेजा गया आवेदन रजिस्ट्रार या रजिस्ट्रार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को उस तारीख को, जिसको वह मथा-स्थिति रजिस्ट्रार के कार्यालय में या ऐसे अधिकारी के कार्यालय में होता है उपस्थापित किया गया समझा जाएगा।

13. अपीलों के उपस्थापित करने की तारीख :

नियम 12 के अधीन यथास्थिति रजिस्ट्रार या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी प्रत्येक अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन पर वह तारीख पृष्ठांकित करेगा, जिसको वह उस नियम के अधीन उपस्थापित किया जाता है या उपस्थापित किया गया समझा जाता है और पृष्ठांकन पर हस्ताक्षर करेगा।

14. किस व्यक्ति को प्रत्यर्षी के रूप में संयोजन किया जा सकेगा :

(1) प्रशासक या सीमा शुल्क अथवा उत्पाद शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई अपील में संबंधित कलक्टर अपील में प्रत्यर्षी बनाया जाएगा।

(2) प्रशासक या सीमा शुल्क अथवा उत्पाद शुल्क कलक्टर द्वारा की गई अपील या किए गए आवेदन में दूसरे पक्षकार को यथास्थिति अपील या आवेदन में प्रत्यर्षी बनाया जाएगा।

15. प्राधिकृत प्रतिनिधियों को प्राधिकृत करने वाले वस्तावेजों का अपील आदि से संलग्न किया जाना :

विभागीय प्राधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल का गई किसी अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन में, प्रतिनिधि को हस्ताक्षर करने और उसकी ओर से उपसंगत होने के लिए प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज जहां वह उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित है, ऐसी अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन से संलग्न किया जाएगा।

16. दूसरे पक्षकार को प्रतियां पृष्ठांकित करना :

अपील अधिकरण अपील या प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन या आवेदन की एक प्रति, जैसे हैं, वह फाइल की जाती है, दूसरे पक्षकार को भेजेगा।

17. रोक पिटीशन के फाइल करने और निपटाने के लिए प्रक्रिया :

(1) (क) मागे गए किसी शुल्क या उद्गृहीत शास्ति का निक्षेप करने की अपेक्षा के रोक के लिए अधिनियम के उपबंध के अधीन किया गया प्रत्येक आवेदन अपीलार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा तीन प्रतिवों में उपस्थापित किया जाएगा या रजिस्ट्रार को अथवा अपीलों को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(ख) ऐसे आवेदन में से प्रत्येक की एक प्रति की आवश्यक द्वारा कलक्टर या प्रशासक के प्राधिकृत प्रतिनिधि पर साथ साथ तारीख की जाएगी।

(2) रोक के लिए प्रत्येक आवेदन कागज के एक तरफ स्वच्छ टाइट किया जाएगा और अंग्रेजी में होगा और नियम 11 के उप-नियम (2) के उपबंध ऐसे आवेदन को लागू होंगे।

(3) रोक के लिए आवेदन में संक्षिप्त रूप में निम्नलिखित का कथन किया जाएगा—

(क) उस शुल्क या शास्ति की मांग की बाबत तथ्य, जिसके निक्षेप के बारे में यह चाहा गया है कि वह रोक/रोकी जाए,

(ख) शुल्क या शास्ति की ठीक ठीक रकम और उसकी निश्चिद रकम और बकाया रकम,

(ग) अधिकरण के समक्ष अपील फाइल करने की तारीख और उसकी संख्या, यदि ज्ञात हो,

(घ) क्या रोक के लिए आवेदन अधिनियम के अर्धीन किसी प्राधिकारी के समक्ष किया गया था या किसी सिविल न्यायालय के समक्ष और यदि ऐसा है तो उसका परिणाम (पताचार, यदि कोई हो कि प्रतियां ऐसे प्राधिकार के साथ संलग्न की जाएंगी)

(ङ) रोक चाहने के लिए संक्षेप में कारण;

(च) क्या आवश्यक प्रतिभूति की प्रस्थापना करने के लिए तैयार है और यदि ऐसा है तो किस रूप में,

(छ) प्रार्थनाओं का स्पष्टतः और संक्षेप में उल्लेख किया जाए (उस निश्चिद रकम का कथन किया जाए जिसके बारे में चाहा गया है कि वह रोकी जाए)

(4) आवेदन की अन्तर्दस्तुओं का अपीलार्थी द्वारा या उसके सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकर्ता द्वारा साथ लेकर समर्पण किया जाएगा।

(5) रोक के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ संबंधित विभाग के प्राधिकारियों के सुसंगत आदेशों की तीन प्रतियां होंगी जिनके अन्तर्गत वे अपील आवेश, यदि कोई हो, जिनके विरुद्ध अपीलार्थी द्वारा अपील अधिकरण को अपील फाइल की गई है और अन्य दस्तावेज, यदि कोई हों, भी हैं:

तथापि यह कि अपील अधिकरण अपने विवेक से और आवेदक के अनुरोध पर ऐसे आदेशों की प्रतियां फाइल करने की अपेक्षाओं से छूट दे सकेगा।

(6) कोई आवेदन, जो उक्त अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है, संक्षेपतः नामंजूर किया जा सकेगा।

प्राकृत्य संख्या एच० अ० (1)

(नियम 3 देखें)

स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 की धारा 80 के अर्धीन कलक्टर (अपील) को अपील का प्रारूप।

अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

वर्ष

1. संख्या

2. अपीलार्थी का नाम और पता

3. उस अधिकारी का पदामिधान और पता जिसने वह विनिश्चय या आवेश पारित किया है जिसके विरुद्ध अपील की गई है और विनिश्चय या आवेश की तारीख

4. अपीलार्थी को उस विनिश्चय या आवेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, मसूचित करने की तारीख।

5. पता जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

6. क्या शास्ति का निक्षेप कर दिया गया है, यदि नहीं तो क्या ऐसे निक्षेप से अभिमुख्य कर दिए जाने के लिए आवेदन किया गया है।

7. अपील में धाबा की गई राहत।

तथ्यों का कथन

अपील के आधार

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं.....अपीलार्थी यह घोषणा करता हूं कि ऊपर जो कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख.....को सत्यापित किया गया।

स्थान.....

तारीख.....

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण: (1) अपील के आधार और सत्यापन प्रारूप पर स्वर्ण नियंत्रण अपील नियम, 1982 के नियम के उपबंधों के अनुसार व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(2) अपील का प्रारूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन और अपील के आधार भी हैं, दो प्रतियों को फाइल किया जाएगा और उसके साथ उस आवेश या विनिश्चय की जिसके विरुद्ध अपील की गई है, एक प्रति भी लगाई जाएगी।

प्राकृत्य संख्या एच० अ० 2

(नियम 4 देखें)

स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 82 के अर्धीन कलक्टर (अपील) को आवेदन का प्रारूप।

संख्या

तारीख

आवेदक

बनाम

प्रत्यर्थी

1. आवेदक का पदामिधान और पता (यदि आवेदक न्यायनिर्णायक प्राधिकारी नहीं है तो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क कलक्टर से आवेदन करने के लिए प्राधिकरण की एक प्रति संलग्न करे।

2. प्रत्यर्थी का नाम और पता
3. उस अधिकारी का पदाभिधान और पता जिसने वह विनिश्चय या आदेश पारित किया है जिसके संबंध में यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख।
4. वह तारीख जिसका स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 82 का उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर ने आदेश पारित किया है।
5. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को उपर्युक्त 4 में निर्दिष्ट आदेश संसूचित करने का तारीख।

तथ्यों का कथन

आवेदन के आधार

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण : आवेदन का प्ररूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन, आवेदन के आधार भा है, दो प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उनके साथ न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की दो प्रतियाँ (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और अधिनियम की धारा 82 का उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर के आदेश का एक प्रति लगाई जाएगी।

प्ररूप सं० स्व० अ० 3

[नियम 6(1) देखें]

स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 81 की उपधारा (1), (2) या (3) के अधीन अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप।

सीमाशुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण में
बधे -----की अपील संख्या-----

अपीलार्थी
बनाम
प्रत्यर्थी

1. उस प्राधिकारी का पदाभिधान और पता जिसने वह आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
2. उस आदेश की संख्या और तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
3. उस आदेश को संसूचित किए जाने की तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।
4. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और वह कलक्टर, जिसमें आदेश पारित किया गया था/स्थिति का विनिश्चय किया गया था/जुमाना किया गया था।
5. न्याय निर्णायक प्राधिकारी का पदाभिधान और पता उन मामलों में, जिनमें वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, कलक्टर (अपील) का आदेश है।
6. पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।
7. पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।

8. क्या शास्ति का निक्षेप कर दिया गया है, यदि नहीं, तो क्या ऐसे निक्षेप से अभिसुक्त कर दिए जाने के लिए कोई आवेदन किया गया है (उस बालान की प्रति जिसके अधीन निक्षेप किया गया है, लगाई जाएगी।)

9. अपील में बाधा की गई राहें

10. तथ्यों का कथन
अपील के आधार पर

1.

2.

3.

4.

इत्यादि

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि
यदि कोई, के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, -----अपीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख -----को सत्यापित किया गया।

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण

(1) यदि अपील सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादशुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई है तो अपील के आधार और सत्यापन के प्ररूप पर स्वर्ण नियंत्रण (अपील) नियम, 1982 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(2) अपील का प्ररूप तीन प्रतियों में होगा और उसके साथ उस आवेदन की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, बराबर की संख्या में प्रतियाँ लगाई जाएगी। (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी।)

(3) अपील का प्ररूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन और अपील के आधार है अंग्रेजी (या हिन्दी) में होना चाहिए और उसमें संक्षिप्त तथा सुभिन्न शीर्षकों के अधीन अपील के आधार बिना किसी तर्क के या वर्णन के उपबणित होने चाहिए और ऐसे आधार क्रमशः संख्यांकित किए जाने चाहिए।

(4) अधिनियम के उपबंधों के अधीन संवाय किए जाने के लिए अवैधित 200 रु० की फीस का संवाय अधिकरण की व्यापपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पास में उस स्थान पर, जहाँ व्यापपीठ स्थित है, अवस्थित राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर लिखे गए कास बैंक ड्राफ्ट की माँफ़त किया जाएगा और माँगवैय ड्राफ्ट अपील के प्ररूप के साथ संलग्न किया जावेगा।

प्ररूप सं० स्व० अ० 4

[नियम 6(2) देखें]

स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 81 की उपधारा (5) के अधीन अपील अधिकरण को दिए जाने वाले प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और (स्वर्ण) निर्यात अधीन अधिकारण में

प्रारूप संख्या अ० अ० 5

(नियम 7 देखें)

वर्ष ----- का प्रत्याक्षेप सं० -----

वर्ष ----- की/के अधीन/आवेदन संख्या ----- में -----

-----अपीलार्थी/आवेदक

बनाम

-----प्रत्यर्थी

1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और वह कलकटरी जिसमें आवेश/शास्ति का विनिश्चय/जुमाना किया गया था।
2. यथास्थिति अपीलार्थी या सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटर द्वारा अधीन अधिकारण को फाइल की गई अपील या आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।
3. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी।
4. पता जिस पर प्रत्यर्थी/आवेदक को सूचना भेजी जा सकेगी।
5. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन में दावा की गई राहूतें।

प्रत्यक्षेपों के आधार

(1)

(2)

(3)

(4)

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं ----- प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि उपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम/जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख ----- दिन ----- वर्ष को स्थापित किया गया।

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. यदि ज्ञापन सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल किया गया है तो प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्रारूप पर, स्वर्ण निर्यात अधीन नियम, 1982 के नियम 3 के उपबधों के अनुसार प्रत्यर्थी द्वारा हस्ताक्षरित किये जाएंगे।

2. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रारूप तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

3. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रारूप अंग्रेजी (या हिन्दी में) होगा और उसमें संक्षिप्त तथा सुनिश्चित शीर्षकों के अधीन प्रत्याक्षेपों के आधार बिना किसी तर्क या वर्णन के उपबर्णित होंगे और ऐसे आधारों को क्रमशः संख्यांकित किया जाएगा।

4. अपील/आवेदन की वह संख्या और वर्ष जो अपील अधिकारण द्वारा आवेदित हो और प्रत्यर्थी को प्राप्त अपील/आवेदन सूचना में वर्णित हो, प्रत्यर्थी द्वारा फाइल किए जाएंगे।

स्वर्ण निर्यात अधिनियम, 1968 की धारा 82 के अधीन अपील अधिकारण को आवेदन का प्रारूप।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (निर्यात) अधीन अधिकारण में वर्ष ----- की अपील संख्या -----

-----आवेदक

बनाम

प्रत्यर्थी

1. प्रार्थी का पवाभिधान और पता (यदि प्रार्थी न्याय निगमिक प्राधिकारी नहीं है तो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क कलकटर से, आवेदन करने के लिए प्राधिकारण की एक प्रति संलग्न करें)।

2. प्रत्यर्थी का नाम और पता।

3. उस अधिकारी का पवाभिधान और पता, जिसने वह विनिश्चय या आदेश पारित किया है, जिसकी वास्तव यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख।

4. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और कलकटरी जिनमें विनिश्चय/आदेश किया गया था।

5. तारीख, जिसको स्वर्ण निर्यात अधिनियम, 1968 की धारा 82 की उपधारा (1) के अधीन प्रशासक द्वारा आदेश पारित किया गया है।

6. न्यायनिगमिक प्राधिकारी जो, उपर्युक्त 4 में निर्दिष्ट आदेश संसूचित करने की तारीख।

7. आवेदन में दावा की गई राहूत।

तथ्यों का कथन

आवेदन के आधार

प्राधिकृत, प्रतिनिधि, यदि

कोई है, के हस्ताक्षर

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण :

आवेदन का प्रारूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का कथन आवेदन के आधार भी है, तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ न्यायनिगमिक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की और स्वर्ण (निर्यात) अधिनियम, 1968 की धारा 82 की उपधारा (2) के अधीन प्रशासक द्वारा पारित आदेश की प्रतियां बराबर की संख्या में (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) लगाई जाएगी।

प्रारूप सं० स्व० अ० 6

[नियम 8 (1) देखें]

स्वर्ण (निर्यात) अधिनियम, 1968 की धारा 82 ख के अधीन आवेदन का प्रारूप।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (निर्यात) अधीन अधिकारण में

----- (अपीलार्थी का नाम) की अपील के मामले में वर्ष ----- का (निर्देश आवेदन संख्या ----- (कार्यालय द्वारा भरा जाए)

- आवेदक
वसाम
-----प्रत्यर्थी
- राज्य या संघ राज्यक्षेत्र और वह कलकटरी जहाँ से आवेदन फाइल किया गया है।
 - अपील की संख्या जिससे निर्देश उद्भूत होता है।
 - पता जिस पर आवेदक को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।
 - पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।
 - उपर्युक्त अपील का विनिश्चय अपील अधिकरण की व्यापपीठ ----- द्वारा तारीख ----- को किया गया था।
 - स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 81क के अधीन आदेश की सूचना की तारीख आवेदक पर----- को की गई थी।
 - तथ्य, जो अपील अधिकरण द्वारा स्वीकार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक है, परन्तु निर्देश के लिए संलग्नक में कथित हैं।
 - अपील अधिकरण के आदेश से निम्नलिखित विधि के प्रश्न उद्भूत होते हैं।
 -
 -
 -
 हस्ताक्षर
 - अतः आवेदक स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 82ख की उपधारा (1) के अधीन यह प्रपेक्षा करता है कि मामले का कथन बताया जाए और पैरा 8 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।
 - नीचे विनिर्दिष्ट रूप में दस्तावेजों और उनकी प्रतियों की (जहाँ दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है) मामले के कथन के साथ उच्च न्यायालय को अर्पित किया जाए।

प्राधिकृत प्रतिनिधि,
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

आवेदक के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं-----आवेदक घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख -----को स्थापित किया गया।

प्राधिकृत प्रतिनिधि
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

आवेदक के हस्ताक्षर

विषय :

1. यदि आवेदन सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटरी से भेज किसी व्यक्ति द्वारा किया गया है तो आवेदन के प्रारूप और सत्यापन पर स्वर्ण (नियंत्रण) अपील नियम, 1982 के नियम 3 के अनुसार स्थापित किए जाएंगे।

3. आवेदन तीन प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

3. अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदाय किए जाने के लिए अपेक्षित 200 रु० की फीस का संदाय अधिकरण की व्यापपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में उस स्थान पर जहाँ व्यापपीठ स्थित है, अवस्थित राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर लिखे गए फास बैंक ड्राफ्ट की मार्फत किया जायेगा, और मांग देय ड्राफ्ट निर्देश आवेदन के प्रारूप के साथ संलग्न किया जाएगा।

प्रारूप सं० स्व० अ० 7

[नियम 8 (2) देखें]

स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 की धारा 82ख (2) के अधीन उच्च न्यायालय को निर्देश के मामले में अपील अधिकरण को किए जाने वाले प्रत्यक्षों के स्थापन का प्रारूप सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में।

बर्ष -----का प्रतिनिर्देश आवेदन संख्या -----
(कार्यालय द्वारा भरा जायेगा)

बर्ष -----के निर्देश आवेदन संख्या -----में

-----आवेदक
वसाम
-----प्रत्यर्थी

- राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और कलकटरी जहाँ से प्रत्याक्षों का स्थापन फाइल किया गया है।
- प्रत्यर्थी द्वारा अपील अधिकरण में फाइल किए गए आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।
- पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।
- पता जिस पर आवेदक को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी।
- तथ्य जो अपील अधिकरण द्वारा स्वीकार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक है, तुरन्त निर्देश के लिए संलग्नक में कथित हैं।
- अपील अधिकरण के आदेश से निम्नलिखित विधि के प्रश्न उद्भूत होते हैं--

1.

2.

3.

7. अतः प्रत्यर्थी स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 की धारा 82 ख की उपधारा (1) के अधीन यह प्रपेक्षा करता है कि मामले का कथन बताया जाए और उप-र्युक्त पैरा 6 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।

8. नीचे विनिर्दिष्ट रूप में दस्तावेजों और उनकी प्रतियों को (जहाँ दस्तावेजों का अंग्रेजी अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है) मामले के कथन के साथ उच्च न्यायालय को अर्पित किया जाए।

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं,----- प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख -----को सत्यापित किया गया

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणी

1. यदि आपन सीमा शुल्क, या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा काइल किया गया है तो प्रत्याक्षेपों और सत्यापन के प्रकृष पर स्वर्ण (निर्वाण) अपील नियम, 1982 के नियम 3 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जायेंगे।

2. प्रत्याक्षेपों का आपन तीन प्रतियों में काइल किया जाएगा।

[सं० 4/82-फा० 131/15/82-जी०सी०-11]

एस० बी० एन० राय, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1982

GOLD CONTROL

S.O. ---In exercise of the powers conferred by section 114 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules, namely :-

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Gold (Control) Appeals Rules, 1982.

(2) They shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968);

(b) "Form" means a form appended to these rules;

(c) "Section" means a section of the Act.

CHAPTER II

APPEALS TO COLLECTOR (APPEALS)

3. Form of appeal to Collector (Appeals).—(1) An appeal under sub-section (1) of section 80 to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. G.A. 1.

(2) The grounds of appeal and the form of verification as contained in Form No. G.A. 1 shall be signed :—

(a) in the case of an individual, by the individual himself or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly

authorised by him in this behalf; and where the individual is minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;

(b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;

(c) in the case of a company or local authority by the principal officer thereof;

(d) in the case of a firm, by any partner thereof not being a minor;

(e) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and

(f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) The form of appeal in Form No. G.A. 1 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

4. Form of application to the Collector (Appeals).—(1) An application under sub-section (4) of section 82 to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. G.A. 2.

(2) The form of application in Form No. G.A. 2 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order passed by the Collector of Central Excise or of Customs directing such authority to apply to the Collector (Appeals).

5. Production of additional evidence before Collector (Appeals).—(1) The appellant shall not be entitled to produce before the Collector (Appeals) any evidence, whether oral or documentary, other than the evidence produced by him during the course of proceedings before the adjudicating authority, except in the following circumstances, namely :—

(a) where the adjudicating authority has refused to admit evidence which ought to have been admitted; or

(b) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing the evidence which he was called upon to produce by that authority; or

(c) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing before the authority any evidence which is relevant to any ground of appeal; or

(d) where the adjudicating authority has made the order without giving sufficient opportunity to the appellant to adduce evidence relevant to any ground of appeal.

(2) No evidence shall be admitted under sub-rule (1) unless the Collector (Appeals) records in writing the reasons for its admission.

(3) The Collector (Appeals) shall not take any evidence produced under sub-rule (1) unless the adjudicating authority or an officer authorised in this behalf by the said authority has been allowed a reasonable opportunity—

(a) to examine the evidence or documents or to cross examine the witness produced by the appellant, or

(b) to produce any evidence or any witness in rebuttal of the evidence produced by the appellant under sub-rule (1)

(4) Nothing contained in this rule shall affect the power of the Collector (Appeals) to direct the production of document, or the examination of any witness, to enable to dispose of the appeal.

CHAPTER III

APPEALS TO APPELLATE TRIBUNAL

6. Form of appeals etc., to the Appellate Tribunal.—(1) An appeal under sub-section (1), (2) or (3) of section 81 to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. G.A. 3.

(2) A memorandum of cross objections to the Appellate Tribunal under sub-section (5) of section 81 shall be in form No. G.A. 4.

(3) Where an appeal under sub-section (1) section 81 or a memorandum of cross-objections under sub-section (5) of section 81 is made by any person other than the Collector of Central Excise or of Customs, the grounds of appeal, the grounds of cross objections and the forms of verifications as contained in Form Nos. G.A. 3 and G.A. 4 respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

(4) The form of appeal in form No. G.A. 3 and the form of memorandum of cross-objections in Form No. G.A. 4 shall be filed in triplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the orders appeal against (one of which at least shall be a certified copy).

7. Form of application to the Appellate Tribunal.—(1) An application under sub-section (4) of Section 82 to the Appellate Tribunal shall be made in form No. G.A. 5.

(2) The form of application in Form No. G.A. 5 shall be filed in triplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the Collector of Central Excise or of Customs (one at least of which shall be a certified copy) and a copy of the order passed by the Administrator directing such Collector to apply to the Appellate Tribunal.

8. Form of Application to the Appellate Tribunal for reference to High Court.—(1) An application under sub-section (1) of section 82B requiring the Appellate Tribunal to refer to the High Court any question of law shall be made in Form No. G.A. 6 and such application shall be filed in triplicate.

(2) A memorandum of cross-objections under sub-section (2) of section 82B to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. G.A. 7 and such memorandum shall be filed in triplicate.

(3) Where an application under sub-section (1) of section 82B or a memorandum of cross-objections under sub-section (2) of that section is made by any person other than the Collector of Central Excise or of Customs, the application, the memorandum of cross-objections, and the forms of verification as contained in Forms Nos. G.A. 6 and G.A. 7 respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 3.

CHAPTER IV

AUTHORISED REPRESENTATIVES

9. Qualifications for authorised representatives.—For the purposes of Section 101A, an authorised representative shall include a person who has acquired any of the following qualifications being the qualifications specified under clause (c) of sub-section (2) of the said section 101A namely—

- a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949), or
- a Cost Accountant within the meaning of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959), or
- a Company Secretary within the meaning of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), who has obtained a certificate of practice under section 6 of that Act; or
- a post-graduate or an Honours degree holder in Commerce or a post-graduate degree or diploma holder in Business Administration, from any recognised University; or

- a person formerly employed in the Departments of Customs or Central Excise or Narcotics, and must have retired or resigned from such employment after having rendered service in any capacity in one or more of the said Departments for not less than ten years in the aggregate.

Explanation:

In this rule, "recognised University" means any of the universities specified below, namely:—

- Indian Universities.—Any Indian University incorporated under any law for the time being in force;
- Rangoon University.
- English and Welsh Universities.—The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales;
- Scottish Universities.—The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews;
- Irish Universities.—The Universities of Dublin, (Trinity College), the Queen's University Belfast and the National University of Dublin;
- Pakistan Universities.—Any Pakistan University incorporated by any law for the time being in force;
- Bangladesh Universities.—Any Bangladesh University incorporated by any law for the time being in force.

10. Authority specified under section 101A(5)(b).—The Collector of Customs, or of Central Excise having jurisdiction in the proceedings in which a person who is not a legal practitioner is found guilty of misconduct in connection with that proceeding under the Act shall be the authority for the purposes of clause (b) of sub-section (5) of section 101A.

CHAPTER V

MISCELLANEOUS

11. Language of the Appellate Tribunal.—(1) The language of the Appellate Tribunal shall be English.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) the parties to a proceedings before the Appellate Tribunal may file documents drawn up in Hindi if they so desire.

12. Procedure for filing appeals etc.—(1) An appeal in Form No. G.A.-3 or a memorandum of cross-objections in Form No. G.A.-4 or Form No. G.A.-7, or an application in Form No. G.A.-5 or Form No. G.A. 6 shall be presented in person to the Registrar or an officer authorised in this behalf by the Registrar, or sent by registered post addressed to the Registrar or such officer.

(2) An appeal or a memorandum of cross-objections or an application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Registrar or to the officer authorised by the Registrar on the date on which it is received in the office of the Registrar, or as the case may be in the office of such officer.

13. Date of presentation of appeals etc.—The Registrar or, as the case may be, the officer authorised by him under rule 12 shall endorse on every appeal or memorandum of cross-objections or application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign the endorsement.

14. Who may be joined as respondents.—(1) In an appeal by a person other than Administrator or Collector of Customs, or of Central Excise, the Collector concerned shall be made the respondent to the appeal.

(2) In an appeal or an application by the Administrator or Collector of Customs, or of Central Excise the other party shall be made the respondent to the appeal or application, as the case may be.

15. Document authorising authorised representatives to be attached to the appeal etc.—In any appeal, or a memorandum of cross-objections or application, filed by any person other than a departmental authority, where it is signed by his authorised representative the document authorising the representative to sign and appear for him shall be appended to such appeal or memorandum of cross-objections or application.

16. Endorsing copies to the other party.—The Appellate Tribunal shall send a copy of the appeal or memorandum of cross-objections or application to the other party as soon as it is filed.

17. Procedure for filing and disposal of stay petition.—(1) (a) Every application preferred under the provisions of the Act for stay of the requirement of making deposit of any duty demanded or penalty levied shall be presented in triplicate by the appellant in person or by his duly authorised agent, or sent by registered post to the Registrar or any other officer authorised to receive appeal.

(b) One copy each of such application shall be served on the authorised representative of the Collector or the Administrator simultaneously by the applicant.

(2) Every application for stay shall be neatly typed on one side of the paper and shall be in English and the provisions of sub-rule (2) of rule 11 shall apply to such application.

(3) An application for stay shall set forth concisely the following:—

- (a) the facts, regarding the demand of duty or penalty, the deposit whereof is sought to be stayed;
- (b) the exact amount of duty or penalty and the amount undisputed therefrom and the amount outstanding;
- (c) the date of filing of the appeal before the Tribunal and its number, if known;
- (d) whether the application for stay was made before any authority under the Act or any civil court and, if so, the result thereof (copies of the correspondence, if any, with such authorities to be attached);
- (e) reasons in brief for seeking stay;
- (f) whether the applicant is prepared to offer security and, if so, in what form;
- (g) prayers to be mentioned clearly and concisely (state the exact amount sought to be stayed);

(4) The contents of the application shall be supported by an affidavit sworn to by the appellant or his duly authorised agent.

(5) Every application for stay shall be accompanied by three copies of the relevant orders of the authorities of the department concerned, including the appellate orders, if any, against which the appeal is filed to the Appellate Tribunal by the appellant and other documents, if any:

Provided, however, that the Appellate Tribunal may in its discretion and at the request of the applicant, dispense with the requirements of filing of the copies of such orders.

(6) Any application which does not conform to the above requirements is liable to be summarily rejected.

FORM NO. G.A. 1

(See rule 3)

FORM OF APPEAL TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 82 OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968

Appellant
Vs.

Respondent
1. No. _____ of 19 _____

2. Name and address of the appellant.

3. Designation and address of the officer passing the decision or order appealed against, and the date of the decision or order.

4. Date of communication of the decision or order appealed against to the appellant.

5. Address to which notices may be sent to the appellant.

6. Whether penalty is deposited ; if not whether any application for dispensing with such deposit has been made.
(A copy of the challan under which the deposit is made shall be furnished).

7. Reliefs claimed in appeal.

Statement of facts

Grounds of appeal.

Signature of the
Authorised
Representative, if any.

Signature of the appellant

VERIFICATION

I, _____ the appellant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified to-day, the _____ day of _____ 19 _____

Place _____

Date _____

Signature of the Appellant

Signature of the
authorised representative, if any.

Note: (1) The grounds of appeal and the form of verification shall be signed by the person in accordance with the provisions of rule 3 of the Gold (Control) Appeals Rules, 1968.

(2) The form of appeal, including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against

FORM NO. G.A. 2

(See rule 4)

(FORM OF APPLICATION TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 82 OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968.

No. _____ of _____ 19 _____

Applicant

Vs.

Respondent

1. Designation and address of the applicant. (If the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Central Excise or of Customs to make the application should be enclosed).

2. Name and address of the respondent

3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

4. Date on which the order under sub-section (2) of section 82 of the Gold (Control) Act, 1968 has been passed by the Collector of Central Excise or Customs.
5. Date of communication of the order referred to in (4) above to the adjudicating authority.
6. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts

Grounds of application

Signature of the applicant

Note —The form of application, including the statement of facts and the grounds of application shall be filed in duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order of the Collector of Central Excise or of Customs under sub-section (2) of section 82 of the Act

FORM NO. G.A. 3

[See rule 6(1)]

FORM OF APPEAL TO APPELLATE TRIBUNAL UNDER SUB-SECTION (1), (2) OR (3) OF SECTION 81 OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968.

IN THE CUSTOMS, CENTRAL EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

Appeal No. _____ of _____ 19_____

Applicant
Vs.

Respondent

1. The designation and address of the authority passing the order appealed against.
2. The number and date of the order appealed against.
3. Date of communication of the order appealed against.
4. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of penalty/ fine was made.
5. Designation and address of the adjudicating authority in cases where the order appealed against is an order of the Collector (Appeals)
6. Address to which the notices may be sent to the Appellant.
7. Address to which notices may be sent to the respondent.
8. Whether penalty is deposited. If not whether any application for dispensing with such deposit has been made. (A copy of the challan under which the deposit is made shall be furnished).
9. Reliefs claimed in appeal.
10. Statement of facts
11. Grounds of appeal.
 - (i)
 - (ii)
 - (iii)
 - (iv) etc.

Signature of the appellant

Signature of the
authorised representative
if any

VERIFICATION

I, _____, the appellant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the _____ day of _____ 19_____

Place : _____

Date : _____

Signature of the Appellant

Signature of the
authorised representative, if any.

NOTES

1. The grounds of appeal and the form of verification shall, if the appeal is made by any person, other than the Collector of Customs or Central Excise be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 3 of the Gold Control (Appeals) Rules, 1982.
2. The form of appeal shall be in triplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against (one of which at least shall be a certified copy).
3. The form of appeal including the statement of facts and grounds of appeal should be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of appeal.

FORM NO. G.A. 4

[See rule 6(2)]

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS-OBJECTIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SUB-SECTION (5) OF SECTION 81 OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968.

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.

Cross-objection No. _____ of 19_____

in appeal/application No. _____ of 19_____

Appellant/Applicant

Vs.

Respondent.

1. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of penalty/ fine was made.
2. Date of receipt of notice of appeal or application filed with the Appellate Tribunal by the appellant or as the case may be the Collector of Customs or of Central Excise.
3. Address to which notices may be sent to the respondent.
4. Address to which notices may be sent to the appellant/applicant.

5. Reliefs claimed in the memorandum of cross-objections.

GROUND OF CROSS OBJECTIONS

- (1)
(2) Vs.
(3)
(4) Respondent

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the Respondent.

VERIFICATION

I, ——— the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified, to-day the ——— day of ——— 19———

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the Respondent

NOTES

1. The grounds of cross-objections and form of verification shall if the memorandum is filed by any person, other than the Collector of Customs or Central Excise be signed by the respondent in accordance with the provisions of rule 3 of the Gold Control (Appeals) Rules, 1982
2. The form of memorandum of cross-objections shall be filed in triplicate.
3. The form of memorandum of cross-objections should be in English (or in Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads the grounds of cross objections without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. The number and year of appeal/application as allotted by the office of the Appellate Tribunal and appearing in the notice of appeal/application received by the respondent is to be filled in by the respondent.

FORM NO. G.A. 5

[See rule 7]

FORM OF APPLICATION TO APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 82 OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968.

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.

Appeal No. ——— of 19———

—————Applicant

Vs.

—————Respondent.

1. Designation and address of the applicant. (if the applicant is not the adjudicating authority a copy of the authorisation from the Collector of Central Excise or of Customs to make the application should be enclosed)
2. Name and address of the respondent.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which the application is being made and the date of decision or order
4. State/Union territory and the Collectorate in which the decision/order was made.

5. Date on which order under sub-section (1) of section 82 of the Gold (Control) Act, 1968 has been passed by the Administrator.
6. Date of communication of the order referred to in (3) above to the adjudicating authority.
7. Reliefs claimed in the application

Statement of facts

Grounds of application

Signature of the applicant

Note.—The form of application including the statement of facts and the grounds of application shall be filed in triplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and the order passed by the Administrator under sub-section (1) of section 82 of the Gold (Control) Act, 1968.

FORM NO. G.A. 6

[See rule 8 (1)]

FORM OF APPLICATION UNDER SECTION 82B OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968.

IN THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL.

In the matter of appeal of ——— (Name of the appellant)

Reference application No. ——— of 19———
(to be filled in by the office)

—————Applicant

Vs.

—————Respondent.

1. State or Union territory and the collectorate from which the application is filed.
2. Number of the appeal which gives rise to the reference.
3. Address to which notices may be sent to the applicant.
4. Address to which notices may be sent to the respondent.
5. The appeal noted above was decided by the ——— Bench of the Appellate Tribunal on ———
6. The notice of the order under section 81A of the Gold (control) Act, 1968 was served on the applicant on ———
7. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference
8. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal
 - (1)
 - (2)
 - (3) etc
9. The applicant therefore, requires under sub-section (1) of section 82B of the Gold (Control) Act, 1968 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred in paragraph (8) above be referred to the High Court.

10. The documents or copies thereof as specified below (the translation in English of the documents, where necessary is annexed) be forwarded to the High Court with the Statement of the case.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the applicant

VERIFICATION

I, _____ the applicant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19_____

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the applicant

NOTES

1. The form of application and verification shall if the application is made by any person other than the Collector of Customs or Central Excise be signed in accordance with the provisions of rule 3 of the Gold Control (Appeals) Rules, 1982.
2. The application shall be filed in triplicate.
3. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached with the form of reference application.

FORM NO. G.A. 7

[Sec rule 8(2)]

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS-OBJECTIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL IN THE MATTER OF REFERENCE TO THE HIGH COURT UNDER SECTION 82B(2) OF THE GOLD (CONTROL) ACT, 1968. IN THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL.

Cross reference application No. _____ of 19_____.
(To be filled in by the office)

In reference application No. _____ of 19_____.

_____Applicant

Vs.

_____Respondent.

1. State/Union territory and the Collectorate from which the memorandum of cross objections is filed.

2. Date of receipt of notice of application filed with the Appellate Tribunal by the respondent.
3. Address to which notices may be sent to the respondent.
4. Address to which notices may be sent to the applicant.
5. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.
6. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal.
 - (i)
 - (ii)
 - (iii) etc.
7. The respondent, therefore, requires under subsection (1) of the section 82B of the Gold (Control) Act, 1968 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred in paragraph 6 above be referred to the High Court.
8. The documents or copies thereof as specified below (the translation in English of the documents where necessary is annexed) be forwarded to the High Court with the statement of the case.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

VERIFICATION

I, _____ the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified to-day, the _____ day of 19_____

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

NOTES

1. The memorandum of cross-objections and the form of verification shall if the memorandum is filed by any person, other than the Collector of Customs or Central Excise be signed in accordance with the provisions of rule 3 of the Gold (Control) Appeals Rules, 1982.
2. The memorandum of cross-objections shall be filed in triplicate.

[No. 4/82-F. 131/15/82-GCH]

M. V. N. RAO, Addl. Secy.

